# Lang. Code: 16

इस पुस्तिका में 16 पृष्ठ हैं । This booklet contains 16 pages.

#### TAJ 19-II प्रश्न-पत्र II / PAPER II

संस्कृत भाषा परिशिष्ट Sanskrit Language Supplement भाग IV & V / PART IV & V

इस परीक्षा पुस्तिका को तब तक न खोलें जब तक कहा न जाए ।

Do not open this Test Booklet until you are asked to do so. इस परीक्षा पुस्तिका के पिछले आवरण (पृष्ठ 15 व 16)पर दिए निर्देशों को ध्यान से पहें। Read carefully the Instructions on the Back Cover (Page 15 & 16) of this Test

Read carefully the Instructions on the Back Cover (Page 15 & 16) of this Test Booklet. संस्कृत में निर्देशों के लिए इस पुस्तिका का प्रष्ठ 2 देखें । / For instructions in Sanskrit see Page 2 of this Booklet.

# Test Booklet Code

परीक्षा पस्तिका संकेत

#### INSTRUCTIONS FOR CANDIDATES

 यह पुस्तिका मुख्य परीक्षा पुस्तिका की एक परिशिष्ट है, उन परीक्षार्थियों के लिए जो या तो भाग IV (भाषा I) या भाग V (भाषा II) संस्कृत भाषा में देना चाहते हैं, लेकिन दोनों नहीं ।

परीक्षार्थियों के लिए निर्देश

- परीक्षार्थी भाग I एवं भाग II या III के उत्तर मुख्य परीक्षा पुस्तिका से दें और भाग IV व V के उत्तर उनके द्वारा चुनी भाषाओं से ।
- अंग्रेज़ी व हिन्दी भाषा पर प्रश्न मुख्य परीक्षा पुस्तिका में भाग IV व भाग V के अन्तर्गत दिए गए हैं । भाषा परिशिष्टों को आप अलग से माँग सकते हैं ।
- इस पृष्ट पर विवरण अंकित करने एवं उत्तर पत्र पर निशान लगाने के लिए केवल काले/नीले बॉल पॉइंट पेन का प्रयोग करें।
- 5. इस भाषा पुस्तिका का संकेत है W । यह सुनिश्चित कर लें कि इस भाषा परिशिष्ट पुस्तिका का संकेत, उत्तर पत्र के पृष्ठ-2 एवं मुख्य परीक्षा पुस्तिका पर छपे संकेत से मिलता है । अगर यह भिन्न हो, तो परीक्षार्थी दूसरी भाषा परिशिष्ट परीक्षा पुस्तिका लेने के लिए निरीक्षक को तरन्त अवगत कराएँ ।
- 6. इस परीक्षा पुस्तिका में **दो** भाग IV और V हैं, जिनमें **60** वस्तुनिष्ठ प्रश्न हैं, जो प्रत्येक 1 अंक का है :

भाग-IV : भाषा-I (संस्कृत) (प्र. 91 से प्र. 120) भाग-V : भाषा-II (संस्कृत) (प्र. 121 से प्र. 150)

- 7. भाग-IV में भाषा-I के लिए 30 प्रश्न और भाग-V में भाषा-II के लिए 30 प्रश्न दिए गए हैं । इस परीक्षा पुस्तिका में केवल संस्कृत भाषा से संबंधित प्रश्न दिए गए हैं । यदि भाषा-I और/या भाषा-II में आपके द्वारा चुनी गई भाषा(एँ) संस्कृत के अलावा है तो कृपया उस भाषा वाली परीक्षा पुस्तिका माँग लीजिए । जिन भाषाओं केप्रश्नों के उत्तर आप दे रहे हैं वह आवेदन पत्र में चुनी गई भाषाओं से अवश्य मेल खानी चाहिए ।
- परीक्षार्थी भाग-V (भाषा-II) के लिए, भाषा सूची से ऐसी भाषा चुनें जो उनके द्वारा भाषा I (भाग-IV) में चुनी गई भाषा से भिन्न हो ।
- 9. रफ कार्य परीक्षा पुस्तिका में इस प्रयोजन के लिए दी गई खाली जगह पर ही करें ।
- 10. सभी उत्तर केवल OMR उत्तर पत्र पर ही अंकित करें । अपने उत्तर ध्यानपूर्वक अंकित करें । उत्तर बदलने हेतु श्वेत रंजक का प्रयोग निषद्ध है ।

- This booklet is a supplement to the Main Test Booklet for those candidates who wish to answer EITHER Part IV (Language I) OR Part V (Language II) in SANSKRIT language, but NOT BOTH.
- Candidates are required to answer Part I and Part II or III from the Main Test Booklet and Parts IV and V from the languages chosen by them.
- Questions on English and Hindi languages for Part IV and Part V have been given in the Main Test Booklet. Language Supplements can be asked for separately.
- Use Black/Blue Ball Point Pen only for writing particulars on this page / marking responses in the Answer Sheet.
- The CODE for this Language Booklet is W. Make sure that the CODE printed on Side-2 of the Answer Sheet and on your Main Test Booklet is the same as that on this Language Supplement Test Booklet. In case of discrepancy, the candidate should immediately report the matter to the Invigilator for replacement of the Language Supplement Test Booklet.
- 6. This Test Booklet has **two** Parts, IV and V, consisting of **60** Objective Type Questions, each carrying 1 mark:

Part-IV : Language-I (Sanskrit) (Q. 91 to Q. 120) Part-V : Language-II (Sanskrit) (Q. 121 to Q. 150)

- 7. Part-IV contains 30 questions for Language-I and Part-V contains 30 questions for Language-II. In this Test Booklet, only questions pertaining to Sanskrit language have been given. In case the language/s you have opted for as Language-I and/or Language-II is a Language other than Sanskrit, please ask for a Test Booklet that contains questions on that language. The language being answered must tally with the languages opted for in your Application Form.
- Candidates are required to attempt questions in Part -V (Language-II) in a language other than the one chosen as Language-I (in Part-IV) from the list of languages.
- Rough work should be done only in the space provided in the Test Booklet for the same.
- The answers are to be recorded on the OMR Answer Sheet only. Mark your responses carefully. No whitener is allowed for changing answers.

परीक्षार्थी का नाम (बड़े अक्षरों में) :		
Name of the Candidate (in Capitals):		
अनुक्रमांक : (अंकों में)		
Roll Number: in figures		
: (शब्दों में)————		
: in words		
परीक्षा केन्द्र (बड़े अक्षरों में) :		
Centre of Examination (in Capitals):		
परीक्षार्थी के हस्ताक्षर :	निरीक्षक के हस्ताक्षर :	
Candidate's Signature:	Invigilator's Signature:	
Facsimile signature stamp of		
Centre Superintendent		



परीक्षा पुस्तिका संख्या Test Booklet No.

# Lang. Code: 16

अस्यां पुस्तिकायां 16 पृष्ठानि सन्ति ।

## **TAJ 19-II**

प्रश्नपत्रम् II

संस्कृत-भाषा-परिशिष्टम्

भाग: IV च V



परीक्षा-पुस्तिका-संकेतकम्

यावन्न कथ्येत तावत् इयं परीक्षा-पुस्तिका न अनावरणीया ।

अस्याः परीक्षा-पुस्तिकायाः पृष्ठावरणयोः (पृष्ठे 15 एवं 16) प्रदत्ताः निर्देशाः ध्यानपूर्वकं पठनीयाः । परीक्षार्थिभ्यो निर्देशाः

- इयं पुस्तिका मुख्य-परीक्षा-पुस्तिकायाः एकं परिशिष्टम् तेभ्यः परीक्षार्थिभ्यः अस्ति ये IV (भाषा I) भागस्य अथवा V (भाषा II) भागस्य परीक्षां संस्कृत भाषया दातुमिच्छन्ति, न तु द्वयोः भागयोः ।
- 2. परीक्षार्थिभि: भाग I एवं भाग II **अथवा** III उत्तराणि मुख्य-परीक्षा-पुस्तिकात: देयानि अपि च IV तथा V भागानाम् उत्तराणि तै: चिताभि: भाषाभि: ।
- 3. आंग्लभाषायां हिन्दीभाषायां च प्रश्नाः मुख्य-परीक्षा-पुस्तिकायां IV भागे तथा V भागे च प्रदत्ताः । भाषा-परिशिष्टानि भविद्भः पृथक्तया याचितुं शक्यन्ते ।
- 4. अस्मिन्पृष्ठे च विवरणम् अङ्कयितुम् उत्तरपत्रे च चिह्नं अङ्कयितुं **केवलं काले/नील (Black/Blue)-बाल पाइन्ट-लेखन्या**: प्रयोग: अनुमत: ।
- 5. अस्याः भाषा-पुस्तिकायाः संकेतकं W वर्तते । एतच्च निश्चेतव्यं यदस्याः भाषा परिशिष्ट-पुस्तिकायाः संकेतकम् उत्तरपत्रस्य पृष्ठ-2 उपिर प्रकाशितेन संकेतेन साम्यं भजित । एतदिप निश्चेतव्यं यत् मुख्यः-परीक्षा-पुस्तिकासंख्या उत्तरपत्रसंख्या च परस्परं साम्यं भजेते । यदि चात्र किमिप अन्तरमस्ति तदा छात्रेण निरीक्षकमहाभागः सम्प्रार्थनीयः यत्स द्वितीयाम् भाषा-परिशिष्ट- परीक्षापुस्तिकाम् ददातु इति ।
- 6. अस्यां परीक्षापुस्तिकायाम् **द्वौ** भागौ स्तः IV तथा V, एतेषु **60** वस्तुनिष्ठाः प्रश्नाः सन्ति, प्रत्येकं च एकमङ्कं धारयित : भागः IV : भाषा — I (संस्कृत) *(प्रश्न संख्या 91 तः 120 पर्यन्तम्*)
  - भाग: V : भाषा II (संस्कृत) (प्रश्न संख्या 121 त: 150 पर्यन्तम्)
- 7. IV भाषा I भागे 30 प्रश्नाः, V भाषा II भागे च 30 प्रश्नाः सन्ति । अस्यां च परीक्षापुस्तिकायाम् केवलम् संस्कृत भाषया सम्बद्धाः प्रश्नाः सन्ति । यदि भाषा I उत वा भाषा II इत्येतयोः भवता संस्कृत-अतिरिक्ते भाषे चिते, तदा तद्भाषासम्बद्धा परीक्षापुस्तिका याचनीया । यस्याः अपि भाषायाः प्रश्नानाम् उत्तराणि भवता प्रदीयन्ते, सा भाषा नूनम् आवेदन पत्रे अभीष्टभाषाभिः सह संवदेत् ।
- 8. परीक्षार्थिभि: भाग: V (भाषा II) कृते, भाषातालिकात: सा भाषा चयनीया या तै: भाषा I (भागे IV) चिताया: अभीष्टभाषात: भिन्ना स्यात् ।
- 9. रफ़ कार्यं परीक्षापुस्तिकायाम् एतत्प्रयोजनार्थं निर्धारितस्थाने एव कार्यम् ।
- 10. सर्वाणि उत्तराणि OMR उत्तरपुस्तिकायामेव अङ्कनीयािन । सावधानमनसा चैतद् अङ्कनीयम् । उत्तरे पिरवर्तनार्थं श्वेत-रञ्जकस्य प्रयोगो निषिद्ध: ।

परीक्षार्थिन: नाम :	
अनुक्रमाङ्क: : अङ्केषु :	
: शब्देषु :	
परीक्षाकेन्द्रम् :	
परीक्षार्थिन: हस्ताक्षरम् :	निरीक्षकस्य हस्ताक्षरम् :
Facsimile signature stamp of	
Centre Superintendent	

अभ्यर्थिन: चतुर्थ भागस्य (Part-IV) प्रश्नानाम् (प्र.सं. 91-120) उत्तरं दद्यु:, यदि तै: संस्कृतं प्रथमभाषारूपेण (Language-I) चितम् ।

Candidates should attempt the questions from Part-IV(Q.No. 91-120), if they have opted Sanskrit as Language-I only.

**(4)** 

भाग – IV भाषा – I

संस्कृतम्

अभ्यर्थिनः **चतुर्थ भागस्य** (Part-IV) प्रश्नानाम् (**प्र.सं.** 91-120) उत्तरं दद्युः, यदि तैः **संस्कृतं प्रथमभाषा**रूपेण (Language-I) चितम् ।

# अधोलिखितं गद्यांशं पठित्वा तदाधारितप्रश्नानां (११- १९) विकल्पात्मकोत्तरेषु उचिततमम् उत्तरं चित्वा लिखत

अस्मिन् ब्रह्माण्डे बहूनि ग्रहनक्षत्राणि सन्ति । आकाशे मंगल – बुध – गुरु आदिषु ग्रहनक्षत्रेषु सूर्योऽपि एकं नक्षत्रम् अस्ति । अस्य प्रकाशेन एव पृथ्वी – चन्द्रादयः प्रकाशन्ते । नक्षत्रमेतत् ऊर्जसः महास्रोतः अस्ति । वैज्ञानिकाः अस्य ऊर्जसं प्रति विशेषेण उन्मुखाः सन्ति । सूर्यः संसारस्य प्रकाशकः । अस्य ऊष्मणः आधिक्येन वसन्त-ग्रीष्म-वर्षाः अनाधिक्येन च शरद्धेमन्तशिशिराश्च ऋतवः भवन्ति ।

जीवानां स्वास्थ्याय अपि सूर्यस्य महती भूमिका अस्ति । कतिपयाः योगक्रियाः अस्यातपे एव क्रियन्ते । ऋषेः अथर्वणः मते उदीयमानस्य सूर्यस्य रिश्मिभः शिरोवेदनां दूरीकर्तुं शक्यते । अतः प्राकृतिक चिकित्सारूपेण सूर्यः अस्माकम् उपकारकः । शरीरिकशास्त्रे सूर्यस्य रिश्मसेवनं सूर्यस्नानम् इति रूपेण प्रसिद्धम् । पादपानां वनस्पतीनां विकासोऽपि सूर्यघ्योमाणं विना न संभवति । अतः भूतले सर्वेषां जीवनं सूर्याधारितमेव ।

## 91. प्रकाशिताः भवन्ति इत्यस्य कृते अनुच्छेऽस्मिन् कः शब्दः प्रयुक्तः तच्चित्वा लिखत

- (1) नद्यां वहन्ति
- (2) प्रकाशन्ते
- (3) सिश्चन्ति
- (4) निन्दन्ति

#### 92. सूर्यस्य ऊर्जसं प्रति के उन्मुखाः सन्ति ?

- (1) विद्यार्थिनः
- (2) वैज्ञानिकाः
- (3) लिपिकाः
- (4) मन्त्रिणः

#### 93. वसन्तग्रीष्मवर्षा ऋतवः कथं भवन्ति ?

- (1) सूर्यस्य ऊष्मणः आधिक्येन
- (2) सूर्यस्य ऊष्मणः अनाधिक्येन
- (3) चन्द्रमसः प्रकाशेन
- (4) अर्धरात्रौ

# 94. किरणैः इति पदस्य समानार्थकः शब्दः अनुच्छेदेऽस्मिन् प्रयुक्तः तच्चित्वा लिखत –

- (1) रश्मिभिः
- (2) रज्जुना
- (3) हरितैः
- (4) पीतैः

# 95. उपकारं करोति इत्यस्य कृते कः शब्दः अनुच्छेदेऽस्मिन् प्रयुक्तः तच्चित्वा लिखत –

- (1) अनुपकारकः
- (2) उपकारकः
- (3) उपगङ्गम्
- (4) अनुदिनम्

#### 96. सूर्यस्य रश्मिसेवनं किं नाम्ना प्रसिद्धम् ?

- (1) सूर्यस्नानम्
- (2) चन्द्रस्नानम्
- (3) जलस्नानम्
- (4) दधिस्नानम्

# 97. ह्रासोऽपि इत्यस्य विलोमशब्दः अनुच्छेदेऽस्मिन् प्रयुक्तः तच्चित्वा लिखत –

- (1) विकासोऽपि
- (2) विनासोऽपि
- (3) उद्धारोऽपि
- (4) अनुद्धारोऽपि

#### 98. कुत्र बहूनि ग्रहनक्षत्राणि सन्ति

- (1) नद्याम्
- (2) सागरे
- (3) ब्रह्माण्डे
- (4) गृहे

## 99. सूर्यः किम् अस्ति ?

- (1) गृहम्
- (2) नक्षत्रम्
- (3) पर्वतम्
- (4) पुष्पम्

#### Sanskrit-I अधोलिखितान् श्लोकान् पठित्वा तदाधारितप्रश्नानां (100 – 105) विकल्पात्मकोत्तरेषु उचिततमम् उत्तरं चित्वा लिखत ।

न पृष्टः कस्यचिद् ब्रूयात् न चान्यायेन पृच्छतः
जानन्निप हि मेधावी जडवल्लोकमाचरेत् ।। 1 ।।
वित्तं बन्धुर्वयः कर्म विद्या भवति पश्चमी ।
एतानि मान्यस्थानानि गरीयो यद् यदुत्तरम् ।। 2 ।।
विषादप्यमृतं ग्राह्यं बालादिप सुभाषितम् ।
अमित्रादिप सद्वृत्तममेध्यादिप काश्चनम् ।। 3।।
सर्वेषामिप शौचानामर्थशौचं परं स्मृतम् ।
योऽर्थे शुचिः स हि शुचिः न मृद्वारिशुचिः शुचिः ।। 4 ।।
यथा धेनुसहस्रेषु वत्सो गच्छिति मातरम् ।
तथा यच्च कृतं कर्म कर्तारमनुगच्छिति ।। 5 ।।

# 100. 'अजानन्निप' इत्यस्य विलोमशब्दः श्लोकेप्रयुक्तः । तिच्चत्वा लिखत –

- (1) अजानतापि
- (2) जानन्नपि
- (3) शृण्वन्नपि
- (4) वदन्नपि

## 101. वित्तं बन्धुर्वयः कर्म विद्या इत्येषु पश्चमी का ?

- (1) वित्तं
- (2) बन्धुः
- (3) विद्या
- (4) कर्म

#### Sanskrit-II

# 102. स्वीकुर्यात् इत्यस्य कृते कः शब्दः श्लोके प्रयुक्तः तच्चित्वा लिखत —

- (1) न स्वीकुर्यात्
- (2) ग्राह्मम्
- (3) न ग्राह्मम्
- (4) पतनम्

#### 103. कः शुचिः भवति ?

- (1) अर्थे शुचिः
- (2) मृद्वारिशुचिः
- (3) रात्रिशुचिः
- (4) दिनशुचिः

# 104. आगच्छित इति पदस्य विलोमशब्दःअनुच्छेदेऽस्मिन् प्रयुक्तः । तच्चित्वा लिखत –

- (1) धावति
- (2) गच्छति
- (3) पठति
- (4) मन्दः

## 105. अपृष्टः, इत्यस्य कृते कः शब्दः श्लोके प्रयुक्तः तच्चित्वा लिखत –

- (1) न पृष्टः
- (2) बहुपृष्टः
- (3) मार्गपृष्टः
- (4) धनपृष्टः

#### , 106. कवितापाठनसमये किं सर्वाधिकं महत्त्वपूर्णम् ?

- (1) प्रत्येकं कवितायाः एकं निश्चितः अर्थः अस्ति ।
- (2) कवितानाम् एकाधिकाः अर्थाः सन्ति ।
- (3) कविता सामाजिकविषयाणाम् उपिर दृष्टिपातं न करोति ।
- (4) कविता भावनात्मकविषयान् न स्पृशति ।

# 107. प्रतिवेदनलेखनशिक्षणसमये शिक्षिका छात्रेभ्यः वृत्तपत्रस्थितानि कानिचन प्रतिवेदनानि व्यतरत् । प्रतिवेदनं पठितुं तदुपि स्वटिप्पणीं च लेखितुं सा निर्दिशति । अत्र वृत्तपत्रांशः यः शिक्षिकया व्यवहृतः सः कथ्यते

- (1) शिक्षणसामग्री (teaching aid)
- (2) अध्ययनसामग्री (learning aid)
- (3) अध्ययनाध्यापनवस्तु (teaching learning material)
- (4) अध्यापनविधिः पद्धतिश्च (teaching method and strategy)

#### 108. भारते कति भाषा परिवाराः सन्ति ?

- (1) चत्वारः
- (2) षड्
- (3) अष्टौ
- (4) दश

- 109. कस्मिन् भाषाशिक्षणविधौ मातृभाषायाः प्रयोगः कक्षायां निषिद्धः ?
  - (1) प्रत्यक्षविधौ (Direct Method)
  - (2) ऑडियोलिंगुवलविधौ (Audio-lingual method)
  - (3) निमज्जनविधौ (Immersion Method)
  - (4) नैसर्गिकविधौ (Natural Method)
- 110. भाषाशिक्षणसमये शिक्षकः विज्ञानविषयात् तथा सामाजिकविज्ञानविषयात् उदाहरणानि ददाति । अयं प्रविधिः कथ्यते \_\_\_\_\_
  - (1) विज्ञानभाषाशिक्षणम् (Science and Language teaching)
  - (2) आपाठ्यचर्या-भाषा (Language across curriculum)
  - (3) टी.पी.आर. प्रविधि : (TPR approach)
  - (4) सी.एल.टी. प्रविधि : (CLT approach)
- 111. भाषाधिगमविषये संज्ञानात्मकं परिप्रेक्ष्यम् एतद् दृढयति यत् \_\_\_\_\_
  - (1) भाषाधिगमप्रक्रियायां अशुद्धयः सहजाताः भवन्ति ।
  - (2) स्वभावनिर्माणप्रक्रिया भाषाधिगमार्थं सहायिका भवति ।
  - (3) संवादानां कण्ठस्थीकरणार्थं पुनः पुनः आवृत्त्यर्थं च शिक्षकः प्रोत्साहयेत् ।
  - (4) त्रुटीनां शीघ्रातिशीघ्रं संशोधनं करणीयम्, अन्यथा ताः बालानां बुद्धौ स्थिराः भविष्यन्ति ।

- 112. विद्यार्थिनां कार्यनिष्पादने दुर्बलतायाः कारणं ज्ञातुं शिक्षिका एकस्याः परीक्षायाः प्रस्तुतिं करोति । सा परीक्षा कथ्यते
  - (1) दक्षता-परीक्षा (proficiency test)
  - (2) निदानात्मक-परीक्षा (diagnostic test)
  - (3) उपलब्धि-परीक्षा (achievement test)
  - (4) योगात्मक परीक्षा (summative test)
- 113. भाषापरीक्षायाः उत्तराणि दृष्ट्वा षष्ठकक्षायाः शिक्षिका अवगच्छिति यत् छात्राणां प्रदर्शनं समीचीनं नास्ति इति । अनन्तरं सा अन्यस्याः परीक्षायाः रचनां कृत्वा तां नियोजयति । एवं – प्रकारकपरीक्षा कथ्यते
  - (1) रचनात्मकपरीक्षा (Formative test)
  - (2) योगात्मकपरीक्षा (Summative test)
  - (3) निदानात्मकपरीक्षा (Diagnostic test)
  - (4) संचयात्मकपरीक्षा (Cumulative test)
- 114. काचिद्भाषाशिक्षिका एकां कक्षां पाठियत्वा स्वदैनिन्दिन्यां लिखित "छात्रेभ्यः भाषाक्रीडा बहु अरोचत । ते तस्यां क्रीडायां सिक्रियभागं गृहीतवन्तः परं तु तृतीयः समूहः अपेक्षितं प्रतिफलं न प्राप्तवान् । एतद् उदाहरणम् अस्ति तस्याः \_\_\_\_\_\_
  - (1) आकलनस्य (Assessment)
  - (2) उपाख्यानात्मक-वृत्तस्य (Anecdotal record)
  - (3) परावर्तक-चिन्तनस्य (Reflective thinking)
  - (4) निरीक्षणस्य

#### Sanskrit-II

#### 115. एकः प्रभावी भाषाशिक्षकः \_\_\_\_\_

- (1) पाठ्यपुस्तकस्य समस्तप्रश्नानाम् उत्तराणि छात्रान् अधिगमयति ।
- (2) पाठ्यपुस्तकस्य उपयोगं करिष्यति, तथैव पाठ्यपुस्तकाद् बहिरपि गमिष्यति ।
- (3) तेषां प्रश्नपत्राणां निर्माणं करिष्यति यानि पाठ्यपुस्तकाधारितानि एव सन्ति ।
- (4) निर्धारित-पाठ्यपुस्तकाद् बहिः न गमिष्यति ।

#### 116. भाषाधिगमार्थं किं सर्वाधिकं महत्त्वपूर्णम् ?

- (1) पाठ्यपुस्तकम्
- (2) अतिरिक्तपठनसामग्री
- (3) बालसाहित्यम्
- (4) अभ्यास-प्रपत्रम्

# 117. किं विद्यार्थिषु सर्जनशीलतां प्रोत्साहयिष्यति ?

- (1) परीक्षायाम् उत्तमगुणान् प्राप्तुं विद्यार्थिभ्यः विशेषप्रशिक्षणम् ।
- (2) स्वानुभवानुसारं स्वतन्त्रतया लेखितुम् अवसरप्रदानम् ।
- (3) नैतिककथानां पठनार्थं लेखनार्थं चछात्रेभ्यः निर्देशः ।
- (4) अधिगमे रुचिं जनयितुं छात्रेभ्यः निर्देशः ।

#### vi 118. भाषायां "मनः प्रतिचित्रणम्" (Mind Mapping)

नाम

**(8)** 

- (1) एकस्य मनसः चित्राङ्कनम्।
- (2) कथागतायाः / कवितागतायाः भूमेः मानचित्रस्य अङ्कनम् ।
- (3) एकस्य साहसिककार्यस्य कार्ययोजना तथा तस्याः निवेदनं कर्तुं छात्रेभ्यः निर्देशः ।
- (4) नूतनविचाराणां बोधार्थं सर्जनार्थं तथा च तेषां सम्बन्धस्थापनार्थं छात्रेभ्यः अवसर-प्रदानम् ।

# 119. लेखनकौशलविकासक्रमे किं सर्वाधिकं महत्त्वपूर्णम् ?

- (1) सुन्दरहस्ताक्षरैः लेखनम्
- (2) शुद्धवर्तन्याः प्रयोगः
- (3) प्रदत्तसंवादानां प्रयोगेण सह लेखनं निर्देशानां पालनं च ।
- (4) लेखने भवतां मतानां विचाराणाम्अनुभवानां च अभिव्यक्तिः ।

# 120. विद्यार्थिनः आनन्दार्थं पठनं सामान्यपठनकौशलविकासः च यस्मिन् पठने उद्देश्यम् अस्ति तत् पठनं कथ्यते \_\_\_\_\_\_।

- (1) गभीरपठनम् (intensive reading)
- (2) व्यापकपठनम् (extensive reading)
- (3) प्राक्पठनम् (pre-reading)
- (4) पश्चात्पठनम् (post-reading)

अभ्यर्थिन: **पञ्चमभागस्य** (Part-V) प्रश्नानाम् **(प्र.सं. 121-150)** उत्तरं दद्यु:, यदि तै: **संस्कृतं द्वितीयभाषा** (Language-II) रूपेण चितम् ।

Candidates should attempt the questions from Part-V (Q.No.121-150), if they have opted Sanskrit as Language-II only.

(10) भाग – V भाषा – II

संस्कृतम्

अभ्यर्थिनः **पश्चमभागस्य** (Part-V) प्रश्नानाम् (**प्र.सं.** 121-150) उत्तरं दद्युः, यदि तैः **संस्कृतं द्वितीयभाषा** (Language-II) रूपेण चितम् ।

# निर्देश: : अधोलिखितं गद्यांशं पठित्वा तदाधारितप्रश्नानां (121 – 128) विकल्पात्मकोत्तरेषु उचिततमम् उत्तरं चित्वा लिखत –

साम्प्रतिकं युगं वैज्ञानिकं युगं वर्तते । अद्य मानवः तथैव नास्ति यथा शतं वर्षाणि पूर्वमासीत् । सर्वेषां जीवने विज्ञानोपकरणानि प्रविष्टानि । नगरेषु ग्रामेषु च सर्वे जनाः स्व स्व कार्येषु विज्ञानस्य साधनानां प्रयोगं कुर्वन्ति । रेलयानं दूरं गन्तुं लोकप्रियं वाहनम् अस्ति । दूरस्थाः शब्दाः अपि रेडियो माध्यमेन गृह्यन्ते । अधुना टेलीविजनयन्त्रं महदुपकारकं वर्तते । तेन गृहे स्थिताः वयं चित्राणि पश्यामः । चित्रस्थपात्राणां वचनानि श्रृणुमः । कम्प्यूटरयन्त्रम् लघुकायमपि महदुपकारकं वर्तते । यद्यपि सहस्राधिकानां विज्ञानोपकरणानां प्रयोगः अहर्निशं भवति तथापि जनानां सुविधावर्धनार्थं नवीनानि उपकरणानि आविष्क्रियन्ते । आयुर्विज्ञानस्य आविष्क्रारैः रोगाः दूरीक्रियन्ते । जनानां जीवने सुखं च वर्धते ।

#### 121. केषां जीवने विज्ञानोपकरणानि प्रविष्टानि ?

- (1) सर्वेषाम्
- (2) केवलं जलचराणाम्
- (3) केवलं रात्रिचराणाम्
- (4) केवलं पलाण्ड्भक्षकाणाम्

## 122. प्रवेशं प्राप्तानि इत्यस्य पर्यायशब्दः अनुच्छेदेऽस्मिन् प्रयुक्तः । तच्चित्वा लिखत

- (1) निर्गतानि
- (2) प्रविष्टानि
- (3) हसितानि
- (4) पीतानि

#### 123. दूरं गन्तुं लोकप्रियं वाहनं किमस्ति ?

- (1) वृषभयानम्
- (2) अश्वयानम्
- (3) रेलयानम्
- (4) नौकायानम्

#### 124. 'अधुना' इति पदं कीदृशं पदमस्ति ?

- (1) विशेषणपदम्
- (2) अव्ययपदम्
- (3) कर्तृपदम्
- (4) क्रियापदम्

# 125. रात्रिंदिवं इति पदस्य पर्याशब्दः अनुच्छेदेऽस्मिन् प्रयुक्तः तच्चित्वा लिखत –

- (1) अहर्निशम्
- (2) दिनम्
- (3) रात्रिः
- (4) उभे सन्ध्ये

126. आविष्काराः क्रियन्ते इत्यस्य कृते कः शब्दः अनुच्छेदेऽस्मिन् प्रयुक्तः । तच्चित्वा लिखत –

- (1) आविष्क्रियन्ते
- (2) मोदकाणां भक्षणम्
- (3) चित्राणां निर्माणम्
- (4) पशूनां धावनम्

127. दुःखं पदस्य विलोमशब्दः अनुच्छेऽस्मिन् प्रयुक्तः तच्चित्वा लिखत –

- (1) सुखम्
- (2) मधुरम्
- (3) पुष्पम्
- (4) फलम्

128. साम्प्रतिकं युगं कीदृशं युगं वर्तते ?

- (1) द्वापरयुगम्
- (2) जलयुगम्
- (3) वैज्ञानिकं युगम्
- (4) पाषाणयुगम्

Sanskrit-II अधोलिखितं गद्यांशं पठित्वा तदाधारितप्रश्नानां (129 – 135) विकल्पात्मकोत्तरेषु उचिततमम् उत्तरं चित्वा लिखत –

**(11)** 

भारतदेशस्य उत्तरस्यां दिशि हिमालयो नाम पर्वतराजः वर्तते । अस्य तुङ्गानि शिखराणि सर्वदा हिमेनाच्छादितानि भवन्ति । अयं पर्वतः पूर्वसागरात् पश्चिमसागरपर्यन्तं विस्तृतः । अस्य मेखलासु नानाविधाः ओषधयः प्ररोहन्ति । तासु काचन रात्रौ दीपा इव प्रकाशन्ते । अत्रत्येषु वृक्षेषु शालाः, देवदारवः सुतरामुपयोगिनः । अत्र व्याघ्राः ऋक्षाः, वृकाः स्वच्छन्दं विहरन्ति । अस्मिन्नेव क्षेत्रे कस्तूरीमृगाः विहरन्ति । अस्यैव नाभिमण्डलात् कस्तूरिका जायते । इयं वैद्यैः विविधानां रोगाणां चिकित्सायै प्रयुज्यते । अत्रैव मानसं सरः (मानसरोवरः) अस्ति यत्र हंसाः विहरन्ति । अस्य सरोवरस्य तटे ऋषीणाम् आश्रमाः सन्ति ।

129. विहारं कुर्वन्ति इत्यस्य कृतेन अनुच्छेदेऽस्मिन् कः शब्दः प्रयुक्तः ?

- (1) हरन्ति
- (2) उदाहरन्ति
- (3) विहरन्ति
- (4) विरहिताः

130. 'परतन्त्रम्' इति पदस्य विलोमशब्दः अनुच्छेदेऽस्मिन् प्रयुक्तः । तच्चित्वा लिखत

- (1) परातन्त्रम्
- (2) स्वच्छन्दम्
- (3) अर्गलासहितम्
- (4) जीमूतवाहनः

पाठसम्बद्धस्य पूर्वज्ञानस्य

छात्राणां सज्जीकरणम् ।

**(4)** 

उदबोधनेन

फलेनाच्छादितानि

हिमेनाच्छादितानि

अग्निनाच्छादितानि

(2)

(3)

**(4)** 

- 140. भारतस्य संविधानस्य अष्टम्यां सूच्यां वर्तमानकाले कति भाषाः विद्यन्ते ?
  - (1) 16
  - (2) 20
  - (3) 22
  - (4) 24
- 141. छात्रैः विभिन्नपरिस्थितीनाम् अवस्थानुकृतिं (role play) कारियत्वा शिक्षिका कक्षायाम् अकृत्रिमसंवादावसरम् उपस्थापयति । अनन्तरं तस्याः अवस्थानुकृतेः कांश्चन अनुरूपनियमान् आहरित तान् च नियमान् व्यवहृत्य पुनरभ्यासं कारयति । एवं सा पाठयति
  - (1) निर्देशात्मकव्याकरणम् (prescriptive grammar)
  - (2) पृथक्तया व्याकरणम् (grammar in isolation)
  - (3) ससन्दर्भ व्याकरणम् (grammar in context)
  - (4) निगमनविधिम् (deductive method)
- 142. एकः भाषाध्यापकः सर्वेषां छात्राणाम् अधिगमशैलीनाम् आवश्यकतां समायोजितुं शक्नोति
  - (1) प्रत्येकं शब्दं पाठियत्वा अनुवादं कृत्वा अनन्तरं च पाठस्य पुनरावृत्तिं कृत्वा ।
  - (2) प्रतिदिनं छात्राणाम् आकलनं कृत्वा ।
  - (3) केवलम् अध्ययनार्थं न अपि तु नृत्ये वाद्ये क्रीडायां चित्राङ्कनकक्षायां च भागं ग्रहीतुं छात्रेभ्यः ग्रेरियत्वा ।
  - (4) विभिन्नानां शिक्षणविधीनां पद्धतीनां च प्रयोगं कृत्वा विभिन्नछात्राणाम् आवश्यकतानुसारं विभिन्नैः आकलनोपायैः।

- 143. भाषाधिगमे सामाजिक वार्ताविनिमयः महत्त्वपूर्णां– भूमिकां भजते । इयम् उक्तिः कस्य ?
  - (1) चॉमस्की (Chomsky)
  - (2) पियाजे (Piaget)

(13)

- (3) वायगोत्स्की (Vygotsky)
- (4) स्कीनर (Skiner)
- 144. सम्भाषणकौशले अत्यन्तं महत्त्वपूर्णम् अस्ति
  - (1) स्पष्टं शुद्धम् उच्चारणम् ।
  - (2) सन्दर्भानुसारं परिस्थित्यनुसारं च कथनम्।
  - (3) मृदुभाषणम्।
  - (4) आलङ्कारिक भाषाप्रयोगः ।
- 145. एकस्याः भाषायाः अधिगमसमये छात्रः कां विशिष्टसमस्याम् अनुभवति इति अवगन्तुं शिक्षकः यां परीक्षाम् आयोजयति सा कथ्यते
  - (1) विविक्तिबन्दु परीक्षा (Discrete point test)
  - (2) निदानात्मक परीक्षा (Diagnostic test)
  - (3) संवादात्मक परीक्षा (Communicative test)
  - (4) समस्यापूर्ति परीक्षा (Problem solving test)

#### Sanskrit-II

# 146. संविभाग (Portfolio) विषये का उक्तिः समीचीना ?

- (1) एतेन लेखनाभ्यासः वर्धते ।
- (2) छात्राणां कृतीनां संग्रहः ताः सुरक्षिताः स्थापनम् एतस्य प्रमुखं प्रयोजनम्
- (3) एतेन शिक्षकस्य समयस्य सञ्चयः भवति, अपि च छात्राः कार्यरताः तिष्ठन्ति
- (4) एतेन छात्रस्य क्रमशः प्रगतिविषये शिक्षकस्य बोधे सहायता भवति

#### 147. स्वरोच्चारणम् (intonation) अस्ति विविधता

- (1) इन्द्रियस्य (organ)
- (2) ध्वनेः (sound)
- (3) वायोः (air)
- (4) निघातस्य (pitch)

## 148. 'वाणी' गृहे अधिकं न वदित, किन्तु विद्यालये बहु वार्तालापं करोति । एतत् सूचयित यत् \_\_\_\_

- (1) स्वगृहं तस्यै नैव रोचते।
- (2) विद्यालये तस्याः विचारणां स्वीकृतिः लभ्यते।
- (3) बहु वार्तालापं कर्तुं विद्यालये अवसरः लभ्यते।
- (4) शिक्षकः कक्षायाः अनुशासनविषये लक्ष्यं न ददाति ।

#### (14) | 149. भाषादक्षतायां के द्वे तत्त्वे सन्निविष्टे ?

- (1) योग्यम् उच्चारणं गभीरतया पठनं च
- (2) लिप्यन्तरणं सुन्दरं हस्ताक्षरम् च
- (3) शुद्धता धाराप्रवाहः च
- (4) द्रुतपठनं क्रमवीक्षणं च (Skimming and Scanning)

#### 150. भाषाधिगमः सहजतया भविष्यति यदि \_\_\_\_\_

- (1) पाठ्यपुस्तकानि न पाठ्यन्ते ।
- (2) परीक्षा न भवेत्।
- (3) छात्राः भाषाप्राचुर्यं वातावरणं प्राप्नुयुः ।
- (4) लेखनात् पूर्वं व्याकरणस्य अभ्यासार्थम् अधिकः समयः दीयेत ।

#### अवधानपूर्वकम् एते निर्देशा : मनसि धारणीया :

- 1. विभिन्नप्रश्नानाम् उत्तरं कथं प्रदेयमिति प्रश्नपत्रे व्याख्यातम् अस्ति । प्रश्नानाम् उत्तरलेखनात् पूर्वं तत् अवश्यं पठनीयम् ।
- प्रत्येकं प्रश्नार्थं चत्वारि वैकल्पिकोत्तराणि निर्दिष्टानि, तेषु समुचितोत्तरप्रदानार्थं OMR उत्तरपुस्तिकाया: पृष्ठे-2 केवलम् एकमेव वृत्तं पूर्णरूपेण काले/नीलवर्णिकया (Black/Blue)-बाल-पाइन्ट-लेखन्या प्रपूरणीयम् । एकवारम् उत्तरांकनानन्तरं न तत्परिवर्तयितुं शक्यते ।
- परीक्षार्थिभि: उत्तरपत्रं नैव तिर्यक्करणीयम्, न च कथंकारमिप तद् अन्यथाप्रकारेण अङ्कनीयम् । परीक्षार्थी स्वीयानुक्रमाङ्कं उत्तरपत्रे निर्धारितस्थानातिरिक्तम् अन्यत्र कुत्रापि न लिखेत् ।
- परीक्षापुस्तिकायाः उत्तरपत्रकस्य च प्रयोगः सावधानं करणीयः । कस्यामिप परिस्थितौ (केवलं तां परिस्थितिं विहाय यदा
  परीक्षापुस्तिकायाः उत्तरपत्रस्य च सङ्केतके सङ्ख्यायां वा भिन्नता दृश्यते) द्वितीय-परीक्षापुस्तिका नोपलभ्या एव ।
- 5. परीक्षापुस्तिकायाम् उत्तरपत्रे च प्रदत्त-सङ्केतक-सङ्ख्या परीक्षार्थिभि: उपस्थितिपत्रके सम्यक्रीत्या अवश्यमेव लेखनीया ।
- 6. ओ.एम.आर. (OMR) उत्तरपत्रिकायां कूटस्थ (Coded) सूचनानां पठनं यन्त्रद्वारा भविष्यति । अत: कापि सूचना असम्पूर्णा न स्यात् । तथैव प्रवेशपत्रस्यसूचनात: भिन्ना सूचना न प्रदेया ।
- 7. प्रवेशपत्रं विहाय अन्य-मुद्रित-लिखित-पाठ्यसामग्री कर्गदिचिटिकां 'पेजरम्' इति चलदूरभाषां, विद्युत्-उपकरणानि अथवा कामपि अन्यसामग्रीं परीक्षाभवनं कक्षं वा नेतुम् अनुमित: न अस्ति ।
- 8. परीक्षा गृहे/प्रकोष्ठे मोबाइलयन्त्रं वेतारसूचनायन्त्रं (स्वीच अफ कृत्वा अपि) अन्यानि च प्रतिबन्धितवस्तूनि नैव आनेतव्यानि । एतस्य नियमस्य उल्लङ्घनम् अनुचितमार्गावलम्बनम् इति विधास्यते यस्य कृते दण्डस्य विधानम् अस्ति । परीक्षात: निष्कासनम् अपि भवितुम् अर्हति ।
- 9. निरीक्षणसमये परीक्षार्थिभि: प्रवेशपत्रं निरीक्षकाय अवश्यं दर्शनीयम् ।
- 10. अधीक्षकस्य निरीक्षकस्य वा अनुमतिं विना परीक्षार्थिभि : स्थानं न परित्यक्तव्यम् ।
- 11. कार्यरतिनरीक्षकाय उत्तरपत्रं दत्त्वा उपस्थितिपत्रके च हस्ताक्षरं पुनः कृत्वा एव परीक्षार्थिभिः परीक्षाभवनं कक्षं वा परित्यक्तव्यम् न अन्यथा । यदि केनापि परीक्षार्थिना उपस्थितिपत्रिकायां पुनः हस्ताक्षरं न क्रियते तर्हि 'परीक्षार्थिना उत्तरपत्रकं न दत्तम्' इति अभिप्रायः । इदम् अनुचितसाधनानां प्रयोगस्य रूपम् इति मन्तव्यम् ।
- 12. वैद्युत-हस्तचालित-परिकलकस्य उपयोग: सर्वथा वर्जित: ।
- 13. परीक्षाभवने कक्षे वा अनुकूलाचरणाय परीक्षार्थिन: सङ्घटनस्य सर्वे: नियमै: विनियमै: वा नियमिता: । अनुचितसाधनानाम् उपयोगेन सम्बद्धा: निर्णया: सङ्घटनस्य नियम-विनियम-अनुवर्तनीया: एव ।
- 14. कस्यामपि परिस्थितौ परीक्षापुस्तिकाया: उत्तरपत्रकस्य वा कोऽपि भाग: पृथक् न करणीय: ।
- 15. परीक्षासम्पन्नानन्तरं परीक्षार्थिनः परीक्षाभवन-परित्यजनात् पूर्वं उत्तरपत्रं कक्षनिरीक्षकाय अवश्यमेव प्रदास्यन्ति । परीक्षार्थिनः इमाम् प्रश्नपुस्तिकां नेतुम् अनुमताः ।

#### निम्नलिखित निर्देशों को ध्यान से पहें :

- जिस प्रकार से विभिन्न प्रश्नों के उत्तर दिए जाने हैं उसका वर्णन परीक्षा पुस्तिका में किया गया है, जिसे आप प्रश्नों का उत्तर देने से पहले ध्यान से पढ लें ।
- 2. प्रत्येक प्रश्न के लिए दिए गए चार विकल्पों में से सही उत्तर के लिए OMR उत्तर पत्र के पृष्ठ-2 पर केवल एक वृत्त को ही पूरी तरह काले/नीले बॉल पॉइन्ट पेन से भरें । एक बार उत्तर अंकित करने के बाद उसे बदला नहीं जा सकता है ।
- उ. परीक्षार्थी सुनिश्चित करें कि इस उत्तर पत्र को मोड़ा न जाए एवं उस पर कोई अन्य निशान न लगाएँ । परीक्षार्थी अपना अनुक्रमांक उत्तर-पत्र में निर्धारित स्थान के अतिरिक्त अन्यत्र न लिखें ।
- 4. परीक्षा पुस्तिका एवं उत्तर पत्र का ध्यानपूर्वक प्रयोग करें, क्योंकि किसी भी परिस्थिति में (केवल परीक्षा पुस्तिका एवं उत्तर पत्र के संकेत या संख्या में भिन्नता की स्थिति को छोड़कर) दूसरी परीक्षा पुस्तिका उपलब्ध नहीं करायी जाएगी ।
- 5. परीक्षा पुस्तिका / उत्तर पत्र में दिए गए परीक्षा पुस्तिका संकेत व संख्या को परीक्षार्थी सही तरीके से हाज़िरी-पत्र में लिखें।
- 6. OMR उत्तर पत्र में कोडित जानकारी को एक मशीन पढ़ेगी । इसलिए कोई भी सूचना अधूरी न छोड़ें और यह प्रवेश-पत्र में दी गई सचना से भिन्न नहीं होनी चाहिए ।
- 7. परीक्षार्थी द्वारा परीक्षा हॉल/कक्ष में प्रवेश-पत्र के सिवाय किसी प्रकार की पाट्य-सामग्री, मुद्रित या हस्तिलिखित, कागज़ की पर्चियाँ, पेजर, मोबाइल फोन, इलेक्ट्रॉनिक उपकरण या किसी अन्य प्रकार की सामग्री को ले जाने या उपयोग करने की अनुमित नहीं है ।
- मोबाइल फोन, बेतार संचार युक्तियाँ (स्वीच ऑफ अवस्था में भी) और अन्य प्रतिबंधित वस्तुएँ परीक्षा हॉल/कक्ष में नहीं लाई जानी चाहिए । इस सूचना का पालन न होने पर इसे परीक्षा में अनुचित साधनों का प्रयोग माना जाएगा और उनके विरुद्ध कार्यवाही की जाएगी, परीक्षा रद्द करने सहित ।
- 9. पूछे जाने पर प्रत्येक परीक्षार्थी, निरीक्षक को अपना प्रवेश-पत्र दिखाएँ ।
- केन्द्र अधीक्षक या निरीक्षक की विशेष अनुमित के बिना कोई परीक्षार्थी अपना स्थान न छोड़ें ।
- 11. कार्यरत निरीक्षक को अपना उत्तर पत्र दिए बिना एवं हाज़िरी-पत्र पर दुबारा हस्ताक्षर किए बिना परीक्षार्थी परीक्षा हॉल/कक्ष नहीं छोड़ेंगे । यदि किसी परीक्षार्थी ने दूसरी बार हाज़िरी-पत्र पर हस्ताक्षर नहीं किए, तो यह माना जाएगा कि उसने उत्तर पत्र नहीं लौटाया है और यह अनुचित साधन का मामला माना जाएगा । परीक्षार्थी अपने बाएँ हाथ के अंगूठे का निशान हाज़िरी-पत्र में दिए गए स्थान पर अवश्य लगाएँ ।
- 12. इलेक्ट्रॉनिक / हस्तचालित परिकलक का उपयोग वर्जित है ।
- 13. परीक्षा हॉल/कक्ष में आचरण के लिए परीक्षार्थी बोर्ड के सभी नियमों एवं विनियमों द्वारा नियमित हैं। अनुचित साधनों के सभी मामलों का फैसला बोर्ड के नियमों एवं विनियमों के अनुसार होगा।
- किसी हालत में परीक्षा पुस्तिका और उत्तर पत्र का कोई भाग अलग न करें ।
- 15. परीक्षा सम्पन्न होने पर, परीक्षार्थी हॉल / कक्ष छोड़ने से पूर्व उत्तर पत्र कक्ष-िनरीक्षक को अवश्य सौंप दें । परीक्षार्थी अपने साथ इस परीक्षा पुस्तिका को ले जा सकते हैं ।

# READ THE FOLLOWING INSTRUCTIONS CAREFULLY:

- The manner in which the different questions are to be answered has been explained in the Test Booklet which you should read carefully before actually answering the questions.
- Out of the four alternatives for each question, only one circle for the correct answer is to be darkened completely with Black/Blue Ball Point Pen on Side-2 of the OMR Answer Sheet. The answer once marked is not liable to be changed.
- The candidates should ensure that the Answer Sheet is not folded. Do not make any stray marks on the Answer Sheet. Do not write your Roll No. anywhere else except in the specified space in the Answer Sheet.
- Handle the Test Booklet and Answer Sheet with care, as under no circumstances (except for discrepancy in Test Booklet Code or Number and Answer Sheet Code or Number), another set will be provided.
- The candidates will write the correct Test Booklet Code and Number as given in the Test Booklet / Answer Sheet in the Attendance Sheet.
- A machine will read the coded information in the OMR Answer Sheet. Hence, no information should be left incomplete and it should not be different from the information given in the Admit Card.
- Candidates are not allowed to carry any textual material, printed or written, bits of papers, pager, mobile phone, electronic device or any other material except the Admit Card inside the examination hall/ room.
- 8. Mobile phones, wireless communication devices (even in switched off mode) and the other banned items should not be brought in the examination halls/ rooms. Failing to comply with this instruction, it will be considered as using unfair means in the examination and action will be taken against them including cancellation of examination.
- 9. Each candidate must show on demand his / her Admit Card to the Invigilator.
- 10. No candidate, without special permission of the Centre Superintendent or Invigilator, should leave his/her seat.
- 11. The candidates should not leave the Examination Hall/Room without handing over their Answer Sheet to the Invigilator on duty and sign the Attendance Sheet twice. Cases where a candidate has not signed the Attendance Sheet second time will be deemed not to have handed over the Answer Sheet and dealt with as an unfair means case. The candidates are also required to put their left hand THUMB impression in the space provided in the Attendance Sheet.
- 12. Use of Electronic / Manual Calculator is prohibited.
- 13. The candidates are governed by all Rules and Regulations of the Board with regard to their conduct in the Examination Hall/Room. All cases of unfair means will be dealt with as per Rules and Regulations of the Board.
- 14. No part of the Test Booklet and Answer Sheet shall be detached under any circumstances.
- 15. On completion of the test, the candidate must hand over the Answer Sheet to the Invigilator in the Hall / Room. The candidates are allowed to take away this Test Booklet with them.